

दर दर भटकता फिरा ठोकर बड़ी खाया हूँ भजन लिरिक्स



दर दर भटकता फिरा,
ठोकर बड़ी खाया हूँ।

दोहा – रूतबा ये मेरे सर को,
तेरे दर से मिला है,
हालाकी मेरा सर भी,
तेरे दर से मिला है,
औरों को जो मिला है माँ,
वो मुकदर से मिला है,
पर मुझे तो मेरा मुकदर भी,
तेरे दर से मिला है।

दर दर भटकता फिरा,
ठोकर बड़ी खाया हूँ,
दर्शन के लिए मैया,
मैं तेरे द्वारे आया हूँ।

तर्ज – जीता था जिसके लिए।

जग ने सताया,
जहां ने रुलाया,
तुम मेरा संकट हरो-र,
दर से सवाली,
ना जायेगा खाली,
तुम मेरी झोली भरो-र,
हैं नहीं कोई जग में,
हमारा तुम्हारे सिवा,
दर्शन के लिए मैया,
मैं तेरे द्वारे आया हूँ।

जब जब पुकारा,
दे दिया सहारा,
फरियाद मेरी पढ़ी-र,
चली आओ मैया,
भवर देख कर के,
मेरी नाव तूफां फसी-र,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना ~~लगन मेरी तुमसे लगी है~~ इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



ये मैय्या सुनो,
दर्शन के लिए मैया,
मैं तेरे द्वारे आया हूँ।

तेरे चरण में,
रहूँगा हमेशा,
सुनलो ये अर्जी मेरी-२,
दर का भिखारी,
रखो या उठा दो,
आगे है मर्जी तेरी-२,
नहीं तो आज चौखट पे तेरी,
मैं मर जाऊँगा,
दर्शन के लिए मैया,
मैं तेरे द्वारे आया हूँ।

तुम ना करोगी,
तो करम कौन करेगा,
दामन है मेरा खाली,
इसे कौन भरेगा,
ठुकरा दिया है जग ने,
मुझे तेरा सहारा,
आ जाओ मेरी मैय्या,
मैंने तुमको पुकारा,
मैंने तुमको पुकारा,
दर्शन के लिए मैया,
मैं तेरे द्वारे आया हूँ।

पूजा ना जानु,
सेवा ना जानु,
कैसे मनाऊं तुम्हे-२,
प्रेमी दीवाना,
हुआ आज पागल,
कैसे बताऊं तुम्हे-२,
विजय आज करना,
यही है मेरी आरजू,
दर्शन के लिए मैया,
मैं तेरे द्वारे आया हूँ।



ढोकर बड़ी ख़ाया हूँ,
दर्शन के लिए मैया,
मैं तेरे द्वारे आया हूँ। bdi

Singer – Chhappan Indori
